पटना का मरीन ड्राइव होगा विकसित

चर्चा में क्यों?

19 फरवरी, 2023 को बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने पटना में हुई समीक्षा बैठक में बताया कि राज्य सरकार पटना में गंगा किनारे बने मरीन ड्राइव को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकसित करेगी।

प्रमुख बिंदु

- बैठक में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बताया कि गंगा किनारे बने मरीन ड्राइव में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कई ऐसी सुविधाएँ होंगी, जिसका लुत्फ यहाँ पहुँचने वाले लोग बड़े आनंद के साथ उठा सकेंगे।
- उन्होंने बताया कि सरकार गंगा रिवर फ्रंट पर स्टेडियम, मॉल, कल्चरल व रिक्रिएशनल सेंटर, म्यूजियम, पार्किंग, पार्क, वाटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी तथा साइकलिंग ट्रैक का निर्माण कराएगी। इन सुविधायों के विकसित हो जाने के बाद राज्य के लोगों को वाटर स्पोर्ट्स का लुफ्त लेने के लिये गोवा और अंडमान नहीं जाना पड़ेगा।
- मरीन ड्राइव के लिये बनी विकास की योजना पथ निर्माण नगर विकास व आवास और पर्यटन विभाग की हो सकती है। इसमें दो बड़े स्टेडियम भी बनाए जा सकते हैं, जिनमें से एक क्रिकेट और एक फुटबॉल का हो सकता है।
- तेजस्वी यादव ने बताया कि छुट्टियों के दिन यहाँ इतनी भीड़ उमड़ती है कि मेला-सा नज़ारा रहता है। लोगों की इसी बढ़ती भीड़ को देखते हुए आने वाले दिनों में यहाँ पर्यटकीय सुविधाओं का विकास किये जाने की योजना है।
- शुरु में पार्किंग प्लेस और कई जगहों पर सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। इसके साथ राजधानी रिवर फ्रंट डेवेलपमेंट परियोजना के तहत शहर में 20 घाटों के निर्माण की योजना भी थी। इनमें से 16 को पूरा कर लिया गया है।
- उन्होंने बताया कि दीघा से दीदारगंज तक बन रहे गंगा पथ की कुल लंबाई5 किमी. है। इसका पहला चरण दीघा से पीएमसीएच तक पूरा हो चुका है। यह भाग 7.4 किमी. लंबा है, जिसमें से 6.5 किमी. सड़क का निर्माण बांध बनाकर किया गया है।
- विदित है कि 2011 में गंगा पथ बनाने का प्रस्ताव सरकार ने पास किया था, जिसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2013 में इसका शिलान्यास किया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/patna-marine-drive-to-be-developed